राधा बावरी | By M.S. Moyal

सुन रे कान्हा राधा बावरी खोई तेरी याद में
आजा रे कान्हा राधा उडीके मधुबन के बाग़ में
सुन रे कान्हा राधा बावरी .....

तेरे बिन सुन ओ सांवरिया रास कौन रचावे
तेरी मीठी मुरली सांवरा सबके मन ने भावे
सखी सहेली तन्ने पुकारे सांवरिया दिन रात रे
आजा रे कान्हा राधा उडीके मधुबन के बाग़ में
सुन रे कान्हा राधा बावरी .....

सुख दु:ख रो तू साथी बनके क्यूँ बनागे ओ दूरी
तीन लोक के स्वामी होके के तेरी मजबूरी
दे भरोसो मन्ने सांवरिया छोड्यो कैय्या साथ रे
आजा रे कान्हा राधा उडीके मधुबन के बाग़ में
सुन रे कान्हा राधा बावरी .....

तेरे भरोसे बैठी सांवरा तेरी राधा प्यारी
तेरे प्रेम में सुध बुध भूली गोयल अर्ज़ गुज़ारी
बीच भवर में गोता खावे मेरे हिवड़े री नव रे
आजा रे कान्हा राधा उडीके मधुबन के बाग़ में
सुन रे कान्हा राधा बावरी .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-m-s-moyal/